DAINIK BHASKAR (09.08.2016)

इंजीनियरिंग के छात्रों ने सीखे गायकी के लिए अच्छी आवाज पाने के गुर

'वॉयस कल्चर' पर प्रो. टी उन्नीकृष्णन का विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

गायकी के लिए बेहतर आवाज हासिल करने की तकनीक सीखने के उद्देश्य से वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नालॉजी यूनिवर्सिटी द्वारा 'वॉयस कल्चर' पर प्रसिद्ध गायक व अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वॉयस ट्रेनर प्रो. टी. उन्नीकृष्णन का विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने रोचक व्याख्यान से छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान छात्रों का उत्साह ही देखते बन रहा था। इससे पूर्व कुलपति डा. दिनेश कुमार ने प्रो. उन्नीकृष्णन का स्वागत किया। उन्हें एक शोधकर्ता, कलाकार, शिक्षक और प्रशासन के रूप में बहुमुखी प्रतिभा का धनी व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा छात्रों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें प्रो. उन्नीकृष्णन जैसे प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व से गायकी के गुर सीखने का अवसर मिला है। अपने विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. उन्नीकृष्णन ने बताया कि गायकों के सम्मुख आने वाली आम समस्याएं

वाईएमसीए कालेज में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते प्रो. टी. उन्नीकृष्णन।

जैसे आवाज में तनाव, सांस लेने में तकलीफ, गले में सूखापन एवं असहज अनुभूति होने का प्रमुख कारण सांस लेने के गलत तौर-तरीके, अभ्यास की कमी तथा स्वरतंत्री की देखभाल को लेकर की जाने वाली अनदेखी या जानकारी का अभाव है। उन्होंने बताया कि वॉयस कल्चर तकनीकों से आवाज को बेहतर बनाया जा सकता है। इसके लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। उन्होंने छात्रों को आवाज को बेहतर बनाने वाली वॉयस कल्चर तकनीकों व देखभाल की जानकारी दी। उन्होंने मानव स्वर को विज्ञान एवं प्रकृति से भी अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं संगीत के संकायाध्यक्ष प्रो. उन्नीकृष्णन, जिन्हें वॉयस कल्चर पर गहन अध्ययन व शोध करते हुए सभी प्रकार की गायकी में स्वर परिवर्तन की कई तकनीकों को विकसित करने की उपलब्धि हासिल है। कार्यक्रम में एसएमएस खालसा कालेज, बराड़ा (अंबाला) से डा. प्रवीण वर्मा विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने के उपयोगी टिप्स दिए। इस मौके पर कुलसचिव डा. संजय कुमार शर्मा तथा संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण प्रो. एस के अग्रवाल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक एवं युवा मामलों के निदेशक डा. प्रदीप डिमरी व सांस्कृतिक मामलों की अध्यक्ष डा. सोनिया बंसल ने किया।

HINDUSTAN (09.08.2016)

विद्यार्थियों ने सीखे गायकी के गुर

फरीदाबाद। गायकी के लिए बेहतर आवाज हासिल करने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को 'वॉयस कल्चर' पर सुप्रसिद्ध गायक पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं संगीत के संकायाध्यक्ष प्रो. उन्नीकृष्णन ने गायकी के गुर सिखाए। बराड़ा अंबाला एसएमएस खालसा कॉलेज के डॉ. प्रवीण वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

DAINIK JAGRAN (09.08.2016)

उन्नीकृष्णन से विद्यार्थियों ने सीखे अच्छी गायकी के गुर

विद्यार्थियों को गायकी के गुर सिखाते प्रो. टी. उन्नीकृष्णन।

जागरण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : विद्यार्थियों को गायकी के लिए बेहतर आवाज हासिल करने की तकनीक सीखाने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से सुप्रसिद्ध गायक एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आवाज प्रशिक्षक प्रो. टी उन्नीकृष्णन का एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ प्रोफेसर एवं संगीत के संकायाध्यक्ष प्रो. उन्नीकृष्णन ने आवाज पर गहन अध्ययन व शोध करते हुए सभी प्रकार की गायकी में स्वर परिवर्तन की कई तकनीकों को विकसित करने की उपलब्धि हासिल की है। कार्यक्रम में एसएमएस खालसा कालेज, बराड़ा (अंबाला) से डॉ. प्रवीण वर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की शिक्षा दी। कुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने प्रो. उन्नीकृष्णन का स्वागत किया। प्रो. उन्नीकृष्णन ने बताया कि गायकों के सम्मुख आने वाली आम समस्याओं जैसे आवाज में तनाव, सांस लेने में तकलीफ, गले में सूखापन एवं असहज अनुभूति होने का प्रमुख कारण सांस लेने गलत तौर-तरीके, अभ्यास की कमी तथा स्वरतंत्री की देखभाल को लेकर की जाने वाली अनदेखी या जानकारी का अभाव है। उन्होंने बताया कि विभिन्न तकनीकों से आवाज को बेहतर बनाया जा सकता है। जिसके लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आवाज को बेहतर बनाने वाली वॉयस कल्चर तकनीकों तथा देखभाल की जानकारी दी। उन्होंने मानव स्वर को विज्ञान एवं प्रकृति से भी सहसंबद्ध कर अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा तथा संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण प्रो. एसके अग्रवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक एवं युवा मामलों के निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी तथा सांस्कृतिक मामलों की अध्यक्ष डॉ. सोनिया बंसल ने किया।

PUNJAB KESARI (09.08.2016)

वायस ट्रेनर प्रो. टी. उन्नीकृष्णन का व्याख्यान

फरीदाबाद, (नवीन धमीजा, ब्यूरोचीफ): गायकी के लिए बेहतर आवाज हासिल करने का तकनीक सीखने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा 'वॉयस कल्चर' पर सुप्रसिद्ध गायक एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वायस ट्रेनर प्रो. टी. उन्नीकृष्णन का एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ प्रोफेसर एवं संगीत के संकायाध्यक्ष प्रो. उन्नीकृष्णन, जिन्हें वायस कल्चर पर गहन अध्ययन व शोध करते हुए सभी प्रकार की गायकी में स्वर परिवर्तन की कई तकनीकों को विकसित करने की उपलब्धि हासिल है, द्वारा विद्यार्थियों को 'वॉयस कल्चर' पर रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एसएमएस खालसा कॉलेज, बराड़ा (अंबाला) से डॉ. प्रवीण वर्मा विशिष्ट अतिथि थी और उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की उपयोगी टिप्स दिये। इससे पूर्व कुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने प्रो. उन्नीकृष्णन का स्वागत किया तथा उन्हें एक शोधकर्ता, कलाकार, शिक्षक और प्रशासन के रूप में बहुमुखी प्रतिभा का धनी व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें प्रो. उन्नीकृष्णन जैसे प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व से गायकी के गुर सीखने का अवसर मिला है।